करनाल में ट्रैफिक कंट्रोल का नया प्लान 1 अप्रैल से

करनाल, (ममो): कर्ण गेट बाजार और कुंजपुरा रोड मार्किट में यातायात नियंत्रण को लेकर एक अच्छा प्लान बना है, जिसकी शुरुआत 1 अप्रैल से होने जा रही है। प्लान के तहत फिलहाल कर्ण गेट मार्किट के आसपास के रास्तों पर 4 बेरिकेडिंग लगाई जाएंगी। मार्किट में आने वाले ग्राहक हो या दुकानदार, अपने वाहन आस-पास की पार्किंग में खड़े करके मात्र 50 से 100 मीटर की पैदल दूरी तय करके प्रतिष्ठानो तक पहुंच सकते हैं। जरूरत है कि लोग इसे समझें और उस पर अमल करें, सबकुछ सुहाना लगेगा। गुरूवार को उपायुक्त एवं स्मार्ट सिटी के सीईओ निशांत कुमार यादव ने ट्रैफिक नियंत्रण के प्लान को लेकर कर्ण गेट बाजार और कुंजपुरा रोड मार्किट के दुकानदारों के साथ डॉ. मंगलसेन ऑडिटोरियम में बैठक कर कई घंटे तक मंथन किया और इसका प्रभाव देखने के लिए सभी ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने की बात कही। उपस्थित दुकानदार अपने सुझाव भी देते रहे। जिला पुलिस अधीक्षक गंगाराम पुनिया भी मीटिंग में शामिल हुए।

भीड़ खत्म करने के लिए प्रशासन द्वारा बनाए गए प्लान पर अमल करें और सहयोग दें, यह सबके हित में है।

मीटिंग में कर्ण गेट मार्किट एसोसिएशन, दुपट्टा मार्किट, गुड मंडी, कुंजपुरा रोड, व्यापार मण्डल, नेहरू पैलेस मार्किट एसोसिएशन के अतिरिक्त कुंजपुरा रोड पर स्थित भिन्न-भिन्न अस्पतालों के प्रभारी डॉक्टर, रोड सेफ्टी ऑग्रेनाईजेशन के प्रधान तथा सदस्यों ने भाग लिया।

मांगें पूरी होने तक धरना जारी रहेगा: कृष्णचन्द शर्मा

करनाल, (म.मो.): हरियाणा गर्वनमेंट पीडब्लयूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन ने गुरुवार को 11वें दिन भी जिला सचिवालय के सामने धरना दिया। जींद के कर्मचारी धरना स्थल पर पहुंचे और सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों पर रोष जाहिर किया। यह धरना अनिश्चितकालीन है और जब तक सरकार कर्मचारियों की मांगों को लागू नहीं करती धरना जारी रखा जाएगा।

इस मौके पर राज्य प्रधान कृष्णचंद शर्मा ने कहा कि करनाल का प्रशासन धरने के प्रति गंभीरता दिखाए। कर्मचारियों की आवाज सरकार के कानों तक पहुंचाएं वरना इससे भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्य मांगों में सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारियों, टर्म एपायंटी समेत पंचायती पंप आपरेटरों को एक मुश्त नीति बनाकर रेगुलर किया जाए। कैनाल गार्डों की शैक्षणिक योग्यता को ध्यान में रखते हुए तृतीय श्रेणी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। गेज रीडर, मेट के पदों को पदोन्नत पद होने के नाते तृतीय श्रेणी के कर्मचारी के पद पर नियुक्ति दी जाए। तीनों विभागों के व्यक्तिगत पदों को समाप्त करके जनरल पद बनाया जाए। तीनों विभागों में नए पद सृजित किए जाएं। जॉब वर्क व ठेका प्रथा पर रोक लगाई जाए तथा आईटीआई पास पंप आपरेटरों को ग्रेड पे दिया जाए आदि शामिल हैं।

इन्द्री में बंदरों का आतंक, प्रशासन बेखबर

इंद्री, (म.मो.) : शहर में लावारिस मवेशियों और बंदरों के उत्पात से आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बंदर आए दिन किसी ना किसी व्यक्ति पर हमला कर देते हैं, घर में रखे हुए खाद्य पदार्थ को उठाकर ले जाते हैं। शहर प्रशासन को बार-बार शिकायत करने के बाद भी समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है और इस समस्या में प्रशासन भी एक प्रकार से विफल नजर आ रहा है।

इंद्री के वार्ड नंबर 1 निवासी जयचंद ने बताया कि वह घर से बाहर निकला था कि बंदर ने उस पर हमला बोल दिया और उसके एक कान को काट दिया, जिस कारण वह घायल हो गया। ज्ञात रहे कि पिछले कुछ दिन पूर्व बंदर ने एक व्यक्ति के कान को काट दिया था। उसके बाद शहर वासियों ने नगर पालिका से अपील की थी की इस समस्या से निजात दिलाई जाए, लेकिन प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लावारिस मवेशी सड़कों पर बैठ जाते हैं, जिस कारण आवागमन बाधित हो जाता है। यह मवेशी रात के समय दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बनते हैं क्योंकि सामने से आ रही किसी भी गाड़ी की लाइट में यह दिखाई नहीं पड़ते और दो पहिया वाहन चालक खासकर इन से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं।

इस बारे में नगर पालिका सचिव देवेंद्र नरवाल ने कहा कि इस समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा। बंदरों को पकड़ने की टेंडर प्रक्रिया पर विचार किया जाएगा।

रिश्वतखोरी के खिलाफ जिला सचिवालय पर प्रदर्शन

करनाल, (म.मो.) सीएम सिटी करनाल में अधिकारियों की रिश्वतखोरी के एक के बाद संगीन आरोपों से सरकारी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे है। करनाल के डीटीपी द्वारा एक कॉलोनाइजर प्रवीण कुमार से रिश्वत लेने के बाद भी उसकी कॉलोनी के मकान गिराने के मामले से आहत हो जहर खाने के मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर जिला प्रशासन से गुहार लगाई है। कॉलोनाइजर प्रवीण कुमार द्वारा तंग आकर जहर का सेवन करने के मामले में लोगों ने आज जिला सचिवालय पहुंचकर डीटीपी सहित कई लोगों पर बलबीर को आत्महत्या के लिए विवश करने के आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की।

लोगों के साथ पहुंचे वार्ड 2 के पार्षद बलविन्द्र सिंह ने कहा कि डीटीपी पर 27 लाख रूपये की रिश्वत लेने के आरोपों के बाद बलबीर आत्महत्या करने जैसे कदम उठाने पर विवश हो रहा है। इस तरह से और भी लोग है जो इस अधिकारी के साथ अन्य अधिकारियों की रिश्वतखोरी के शिकार हुए है, लेकिन शिकायतों के बाद भी कोई कार्रवाई सरकार नहीं कर रही है। सरकार की इस नीति से मुख्यमन्त्री की नीयत पर भी सवाल खड़े हो रहे है। जिला सचिवालय पहुंचे लोगों ने चेतावनी दी है कि इस मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा। डीटीपी विक्रम सिंह ने प्रवीण कुमार द्वारा लगाए गए आरोपों को झूठा बताया।

किराया मांगा तो स्कूली छात्रों से हमला करा दिया

इन्द्री (जेके शर्मा): देवी मंदिर के नजदीक एक दुकानदार और उसके किराएदार स्कूली अध्यापक के बीच मारपीट से तनाव का माहौल बन गया। इस मारपीट में दुकानदार घायल हो गया। उसे घायल अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई शुरू कर दी।

घटना के बारे में घायल मकान मालिक सुभाष बंसल ने बताया कि उसके मकान में किराए पर रहने वाले एक स्कूल के अध्यापक इंद्रपाल ने 15 से 20 स्कूली छात्रों व अन्य को बुलाकर हमला कर दिया। किरायेदार लंबे समय से मकान का किराया नहीं दे रहा था, उससे किराए की मांग की गई तो वह भडक गया। उसने अपने लोगों के साथ मेरे ऊपर लाठी, डंडों व दुकान के बाहर रखें गमलों से प्रहार कर दिया। यह सारी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है, जिसमें 15 से 20 युवक व अध्यापक हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस घटना से बाजार तनाव पैदा हो गया। लोगों ने इस घटना की निंदा की और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस को आता देख हमलावर वहां से भागने में कामयाब हो गए। एक व्यक्ति को उन्होंने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले में अध्यापक इंद्रपाल ने बताया कि उसने मकान का किराया दे दिया था और मकान को खाली कर दिया था जब वह सामान उठाने के लिए आया तो मकान मालिक ने मेरे साथ गाली गलौज कर हमला कर दिया।

थाना प्रभारी सतपाल सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। एक व्यक्ति को काबू कर थाने में लाया गया गया है1 पुलिस मामले की जांच कर रही है।